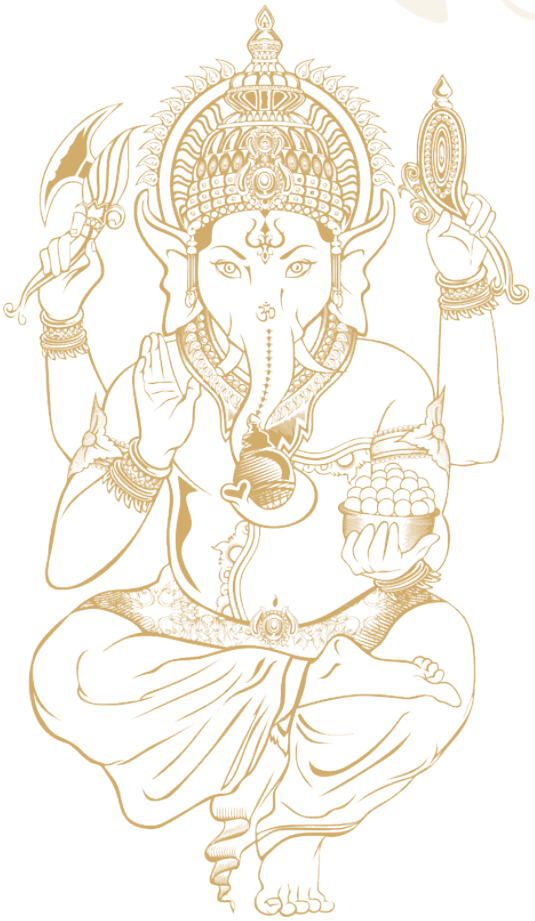

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121724705

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/03/1995	जन्म तिथि	26-27/05/1993
बुध-गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 02:55:00	जन्म समय	03:50:00 घंटे
घटी 50:44:20	जन्म समय(घटी)	55:38:04 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Dausa
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	26:51:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	76:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:16	सूर्योदय	05:32:40
18:34:57	सूर्यास्त	19:10:51
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 15वर्ष 10मा 22दि	22:47:35	धनु	लग्न	मेष	11:09:09	बुध 15वर्ष 5मा 7दि
चन्द्र	01:02:05	मीन	सूर्य	वृष	11:53:26	शुक्र
04/02/2017	16:04:14	सिंह	चंद्र	कर्क	17:53:34	03/11/2015
05/02/2027	19:51:39	कर्क व	मंगल	कर्क	20:57:33	03/11/2035
चन्द्र 06/12/2017	07:37:55	कुंभ	बुध	वृष	24:33:09	शुक्र 04/03/2019
मंगल 07/07/2018	21:09:39	वृश्चि	गुरु व	कन्या	11:01:40	सूर्य 03/03/2020
राहु 06/01/2020	21:31:00	मक	शुक्र	मीन	27:00:42	चन्द्र 02/11/2021
गुरु 07/05/2021	22:25:21	कुंभ	शनि	कुंभ	06:23:28	मंगल 02/01/2023
शनि 06/12/2022	12:26:34	तुला व	राहु	वृश्चि	18:25:14	राहु 02/01/2026
बुध 06/05/2024	12:26:34	मेष व	केतु	वृष	18:25:14	गुरु 02/09/2028
केतु 06/12/2024	05:38:52	मक	हर्ष व	धनु	28:02:56	शनि 03/11/2031
शुक्र 06/08/2026	01:15:20	मक	नेप व	धनु	27:05:03	बुध 03/09/2034
सूर्य 05/02/2027	06:46:19	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	00:02:27	केतु 03/11/2035

लग्न-चलित

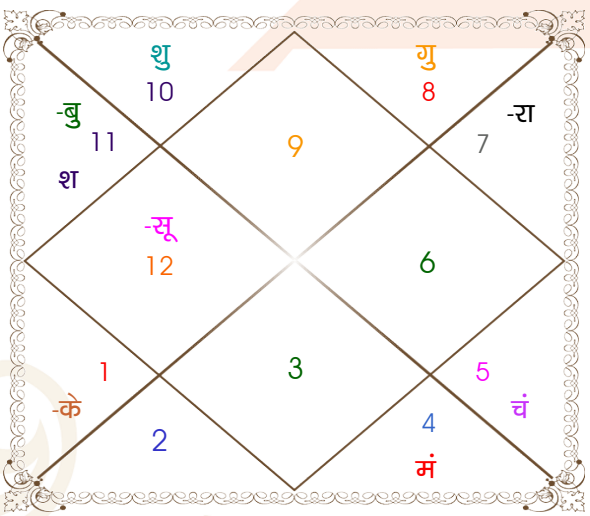

लग्न-चलित

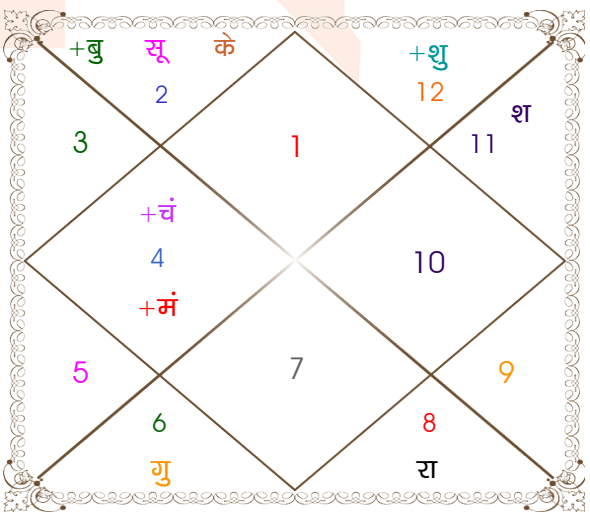

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मार्जार	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

A का वर्ग मूषक है तथा B का वर्ग श्वान हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता हैA

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र B कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु B कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि B कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।